nt>
Title: Need to ensure that letters written to Government Agencies by elected representatives should be attended promptly.-Laid

22.45 hrs.

श्री गोरधनभाई जादवभाई जावीया (पोरबन्दर): महोदय, सरकार का स्टेंडिंडग आर्डर है तथा कन्वेंशन है कि 'संसद सदस्यों के पत्रों के उत्तर तुरन्त दिए जाएं एवं उन पर तुरंत आवश्यक कार्रवाई की जाए' लेकिन इस पर अमल नहीं हो रहा है।

सासदों के पत्रों के उत्तर नहीं दिए जाते, ऐसी सिर्फ मेरी ही नहीं बल्कि ज्यादातर सांसदों की फरियादें हैं। अतः हम जैसे जनता के नुमाइन्दों की यह हालत है, तो आम जनता के पत्रों के उत्तरों की तो बात ही क्या करनी?

मेरे पास ऐसे बहुत पत्र हैं जिनको लिखे हुए दो-दो और तीन-तीन वर्ष हो गए, उनका आज तक उत्तर नहीं दिया गया। जब संबंधित विभागों के अधिकारियों को पूछते हैं, तो जवाब देते हैं कि आप जैसे अन्य सांसदों के दो-दो, तीन-तीन हजार पत्र विभाग में पड़े हैं। आपकी बारी दो-तीन वर्ष के बाद आएगी। दो-तीन वर्ष के बाद पत्र को देखने की बारी आएगी और उस पर विचार करके कार्रवाई करने में दो-तीन वर्ष और लग जाएंगे।

महोदय, जब एक-एक पत्र का उत्तर देने में इस प्रकार से चार या पांच वर्ष लगेंगे, तो कैसे काम चलेगा। तब तक नया चुनाव आ जाएगा या जैसे पूर्व में दो-तीन बार संसद समय से पूर्व भंग हो गई और सरकारें बदल गईं और यदि दूसरी सरकार आ जाएगी तो पहली सरकार के निर्णय को पलट देगी, तो फिर जनता के काम कैसे होंगे। यह हालत है देश की, जनता की, सांसदों की एवं सरकारी ब्यूरोक्रेटिक अफसरों की। इसमें सुधार लाना चाहिए।

मेरा आपके माध्यम से आग्रह है कि सरकार को हर मंत्रालय को आदेश देना चाहिए और नियम व कन्वेंशन बनाना चाहिए कि ब्यौरेवार जवाब दो-तीन महीने में ही देना चाहिए। यह जिम्मेदारी अफसरों पर डाल देनी चाहिए और जवाबदेही, पारदर्शिता होनी चाहिए, तब देश में अफसरशाही सुधरेगी।

---

*Treated as laid on the Table of the House.